कानन देवी ने बंगला सिनेमा को दिलाई विशिष्ट पहचान

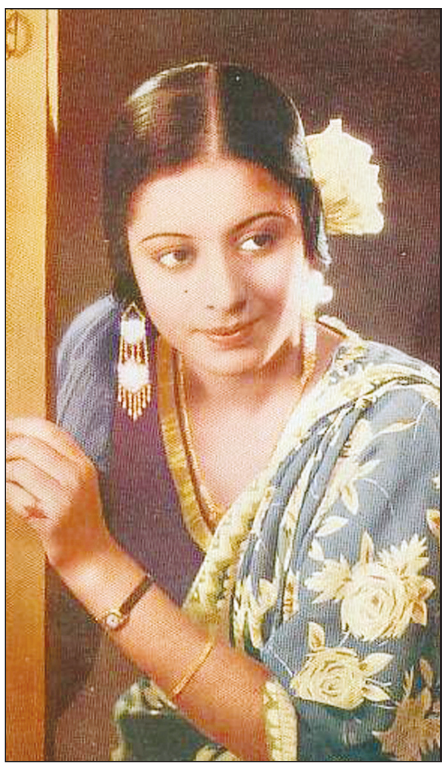

भारतीय सिनेमा जगत में कानन देवी का नाम एक ऐसी शख्सियत के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण की विद्या से बल्कि अभिनय और पार्श्‍वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनायी. काननदेवी मूल नाम काननबाला का जन्म पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 1916 को एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था. बचपन के दिनों में ही उनके पिता की मृत्यु हो गयी. इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मवारी को देखते हुये कानन देवी अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटाने लगी. कानन देवी जब महज 10 वर्ष की थी तब अपने एक पारिवारिक मित्र की मदद से उन्हें योति स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म जयदेव में काम करने का अवसर मिला. इसके बाद कानन देवी को योतिस बनर्जी के निर्देशन में राधा फिल्मस के बैनर तले बनी कई फिल्म में बतौर बाल कलाकार काम करने का अवसर मिला.

वर्ष 1934 में प्रदर्शित फिल्म .मां. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी. कुछ समय के बाद कानन देवी न्यू थियेटर में शामिल हो गयी. इस बीच उनकी मुलाकात राय चंद बोराल से हुयी जिन्होंने कानन देवी को हिंदी फिल्मों में आने का प्रस्ताव दिया. तीस और चालीस के दशक में अभिनेता या अभिनेत्रियों को फिल्मों में अभिनय के साथ पार्श्‍वगायक की भूमिका भी निभानी होती थी जिसको देखते हुये कानन देवी ने भी संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी.

'पंचायत' के जितेंद्र निभाएंगे दमदार किरदार

फिल्म 'मिर्जापुर' की कास्ट में जितेंद्र कुमार का नाम भी शामिल हो चुका है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह इस फिल्म में एक दमदार रोल करने वाले हैं. 'मिर्जापुर' में वह एक जाने-माने एक्टर को रिप्लेस कर रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह विक्रांत मैसी वाला किरदार इस फिल्म में निभांएगे.

सीरीज 'मिर्जापुर' में अली फजल और विक्रांत मैसी ने गुड्डू पंडित और बबलू पंडित के रोल निभाए थे. 'मिर्जापुर' फिल्म में भी दोनों यही किरदार निभाने वाले थे. मगर अब खबर है कि विक्रांत मैसी अपने कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं तो वह 'मिर्जापुर' मूवी का हिस्सा नहीं बनेंगे. यही कारण है कि विक्रांत की जगह अब जितेंद्र कुमार बबलू पंडित का रोल निभाएंगे. जितेंद्र कुमार के बबूल पंडित बनने की बात को अभी 'मिर्जापुर' फिल्म के मेकर्स की तरफ से अनाउंस नहीं किया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स में ही इस बात की चर्चा है.

जितेंद्र की बात करें तो 'पंचायत' सीरीज के कारण वह काफी मशहूर हुए. वह अपने अब तक के करियर में कई वेब सीरीज और फिल्मों में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं. 'मिर्जापुर' की कहानी सीरीज में कालीन भैया (मिर्जापुर में अपराध करने वालों का सरगना), मुन्ना और बबूल पंडित के ईद-गिर्द घूमती है. इस सीरीज के लगभग तीन सीजन आ चुके हैं. अब इसी स्टोरी लाइन पर फिल्म बनाई जा रही है.

हालांकि, राम कपूर को दीपिका के आठ घंटे की शिफ्ट वाली बहस में उनका नजरिया थोड़ा अलग है . उन्होंने कहा, मैं खुद को काफी यादा लकी मानता हूं, क्योंकि मुझे वो करने को मिल रहा है जो मैं चाहता था . जब मैं फिल्में कर रहा होता हूं या ओटीटी सीरीज तो मैं 14 से 16 घंटे तक भले काम करता हूं, लेकिन अपनी खुशी से करता हूं . उन्होंने ये भी कहा कि वह इसकी शिकायत नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि दीपिका जिस मुकाम पर हैं वहां बहुत से लोग पहुंचना चाहते हैं .

दीपिका की 8 घंटे शिफ्ट मांग पर बोले राम

हाल ही में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को एनिमल जैसी फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की अपकमिंग प्रोजेक्ट स्पिरिट से बाहर निकालने की खबरों ने इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया. बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए दीपिका ने 8 घंटे की शिफ्ट वाली शर्त रखी जिस पर मेकर्स ने साफ इनकार कर दिया. जिसके बदले मेकर्स ने दीपिका के जगह अब तृप्ति डिमरी को कास्ट कर लिया गया है. इसी चर्चा को लेकर अब एक एक्सपीरियन्स्ड और पॉपुलर चेहरा राम कपूर ने भी अपनी बात रखी है.राम कपूर ने सालों तक टेलीविजन और फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से ऑडियन्स का दिल जीता है. राम ने अब दीपिका के कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर अपनी बात रखी है. राम ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस पर बात करते हुए कहा, जब एक आर्टिस्ट इंडस्ट्री में खुद की पहचान बना लेता है तो वह यह तय करने के हाल में भी होता है कि उसे कितने घंटे काम करना है.

सोनी सब के शो इत्ती सी खुशी का प्रोमो रिलीज

सोनी सब एक नई संवेदनशील कहानी 'इत्ती सी खुशी' लेकर आ रहा है.इस शो का नया प्रोमो काफी चर्चा में है, जो एक ऐसी बेटी की शांत लेकिन सशक्त ताकत को सलाम करता है जो अपने पांच भाई-बहनों और रंग-बिरंगे, उलझे हुए परिवार की रीढ़ बन जाती है.

प्रोमो में अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान), जो दिवेकर परिवार की धुरी है, एक अस्त-व्यस्त घर और अनकहे ज़िम्मेदारियों के बीच फंसी नज़र आती है. उसे कम उम्र में ही देखभाल करने वाले की भूमिका निभानी पड़ती है, क्योंकि उसके पिता की लापरवाही और शराब की लत के चलते घर की सारी जिम्मेदारियां उस पर आ जाती हैं. स्कूल रिपोर्ट कार्ड पर हस्ताक्षर करना हो या उस वक़्त मज़बूती से खड़ा रहना जब उसका शराबी पिता (वरुण बडोला) उनके इकलौते घर को बेच देता है. प्रोमो में दिखाया गया है कि वह सिर्फ एक अभिभावक नहीं, बल्कि अपने टूटते हुए संसार की स्थिरता बन जाती है.

सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, मैं इस शो की पहली झलक अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं. अन्विता एक ऐसी बेटी है जो परिवार को जोड़े रखने वाला गोंद बन जाती है. वह चुपचाप लेकिन पूरी ताकत से ज़िम्मेदारियों को उठाती है.

फिल्म बजरंगी भाईजान को 10 साल पूरे

आज ही के दिन साल 2015 में सलमान खान अभिनीत फिल्म बजरंगी भाईजान रिलीज हुई. कबीर खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और यह फिल्म 2015 की ब्लॉकबस्टर साबित हुई. 17 जुलाई, 2025 को इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए. फिल्म में सलमान खान के अलावा हर्षाली मल्होत्रा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और करीना कपूर खान अहम किरदार में थे.

इस फिल्म ने लोगों का दिल जीत लिया और आज भी प्रशंसकों की पसंदीदा बनी हुई है. इस खास मौके पर, फिल्म निर्माता कबीर ने सेट से कलाकारों की कुछ अनदेखी झलकियां साझा कीं और एक नोट लिखा.17 जुलाई को कबीर खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बजरंगी भाईजान के सेट से बिहाइंड-द-सीन कई तस्वीरें साझा कीं. पोस्ट में सलमान खान, हर्षाली मल्होत्रा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और करीना कपूर खान नजर आ रहे हैं.पोस्ट में अच्छे पलों को साझा करते हुए, कबीर ने लिखा हैप्पी बजरंगी डे. यकीन करना मुश्किल है कि बजरंगी भाईजान को लोगों के दिलों में जगह बनाए हुए 10 साल हो गए हैं.

पिछले एक दशक में इस फिल्म को दुनिया भर में मिल रहे प्यार से मैं पूरी तरह अभिभूत हूं.कबीर खान ने आगे कहा हमने एक ऐसी दुनिया में प्यार और उम्मीद की कहानी बताने का लक्ष्य रखा है जो कभी-कभी इन भावनाओं को भुला देती है. आज भी मैं ऐसे लोगों से मिलता हूं जो मुझे बताते हैं कि यह फिल्म उन्हें हर बार हंसाती और रुलाती है. मेरे लिए यह जानना असली इनाम है कि बजरंगी भाईजान ने ना सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि घाव भी भर दिया.

सोहा अली खान के प्रोटीन सीक्रेट्स

संतुलन बनाना आसान नहीं है. एक्ट्रेस, मां और वेलनेस को लेकर सजग सोहा अली खान इस चुनौती को बखूबी समझती हैं. उनका मानना है कि एक्टिव और स्वस्थ रहने के लिए सही खानपान बेहद ज़रूरी है ङ्क खासतौर पर प्रोटीन से भरपूर आहार. सोहा कहती हैं कि प्रोटीन से भरपूर चीजें महिलाओं को पूरे दिन ऊर्जावान, मज़बूत और फोकस्ड बनाए रखने में मदद करती हैं.

सोहा की डेली प्रोटीन रूटीन में बादाम उनकी पहली पसंद हैं. साथ ले जाना आसान, खाना भी झंझट-मुक्त, और सबसे बढ़कर -सेहत से भरपूर. इनमें प्रोटीन, फाइबर और अच्छे फैट्स की भरपूर मात्रा होती है. शूटिंग हो या बेटी इनाया के साथ खेलना - बादाम उन्हें दिनभर एक्टिव बनाए रखते हैं. वो कभी सीधे खाती हैं, तो कभी स्मूदी में मिलाकर स्वाद और पोषण दोनों बढ़ा देती हैं.सोहा का मानना है कि बादाम हर महिला की डाइट का हिस्सा होने चाहिए. ये न सिर्फ मसल्स की सेहत को सपोर्ट करते हैं, बल्कि त्वचा और दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं. इनका नैचुरल क्रंच खाने को स्वादिष्ट बनाता है और भूख व ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखता है.

रान्या राव को सोने की तस्करी के आरोप में जेल

साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई. विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी.जब डीआरआई द्वारा तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने में असफल रहने के बाद, रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी. 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण COFEPOSA के तहत हिरासत में ही रहे. तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है.इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं. यह जगह आमतौर पर डयूटीबेल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है.

डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है. इस पर वह टेंशन में आ गईं. तलाशी के बाद एक्ट्रेस के पास लगभग 12.56 करोड़ रुपये की लागत का कुल 14.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ. इसके बाद रान्या को हिरासत में ले लिया गया. रान्या की पहले की जमानत याचिका दो बार लोकल कोर्ट और बाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी गई थी.

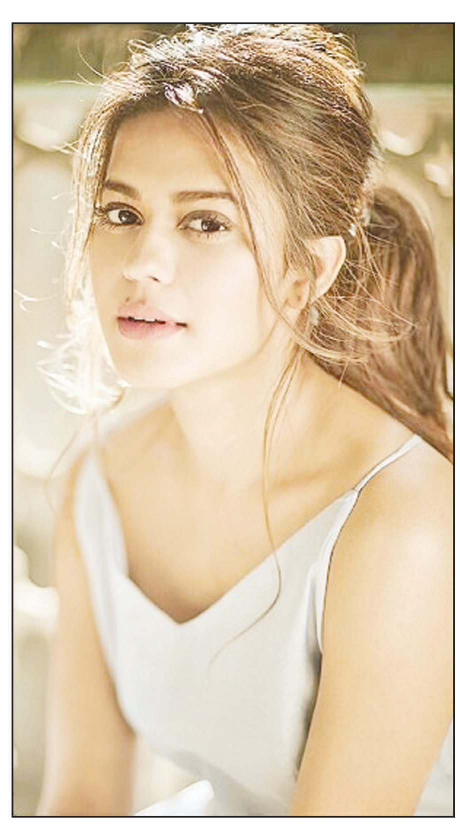

अनफिल्टर्ड नारी : गुजराती फिल्म हिंदी में

अनफिल्टर्ड नारी%सुपरहिट गुजराती फिल्म फक्त महिलाओं माटे का हिंदी डब वर्ज़न है, जिसमें यश सोनी और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं .

औरतें आखिरकार क्या चाहती है ? कभी बहस, तो कभी मज़ाक में ही सही, इस सवाल पर लोग सालों से चर्चा करते आ रहे हैं. इसी सवाल को लेकर एक मजेदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली फिल्म है %अनफिल्टर्ड नारी%, जो कि सुपरहिट गुजराती फिल्म %फक्त महिलाओं माटे% का हिंदी डब वर्ज़न है. यह फिल्म अब से शेमारूमी पर देखी जा सकती है.

गुजराती दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों का दिल जीतने के लिए तैयार है. यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि यह गुजराती सिनेमा में अमिताभ बच्चन की डेब्यू फिल्म है. इस फिल्म में कॉमेडी और इमोशन का ऐसा मिश्रण है, जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस करेगा.

यह कहानी एक मिडिल-क्लास परिवार के लड़के चिंतन की है, जो अपनी जिंदगी में मौजूद महिलाओं से परेशान है. तभी उसे अचानक एक ऐसी शक्ति मिल जाती है, जिससे वह औरतों के दिल और दिमाग की बातें सुन और समझ सकता है. इसके बाद शुरू होती है एक दिलचस्प और मजेदार कहानी. सवाल यह है कि क्या यह शक्ति चिंतन की ज़िंदगी आसान बनाएगी या उसे और मुश्किल कर देगी ?

इस फिल्म को जय बोदास ने डायरेक्ट किया है और इसे आनंद पंडित और वैशल शाह ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में यश सोनी, अमिताभ बच्चन, दीक्षा जोशी, तर्जनी भड़ला, भावना जानी, कल्पना गाडगेकर, चेतन दैया, वैशाख राठौड़, दीप वैद्य और ओम भट्ट जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं .

किआरा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्ही परी

बॉलीवुड स्टार कियारा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर नन्ही परी ने जन्म लिया है. सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर पिंक कलर का एक अनाउंसमेंट कार्ड पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी और कियारा की तरफ से एक खुशखबरी दी.इस कार्ड में लिखा गया है, हमारे दिल खुशी से भर गए हैं और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है. हमें एक बेटी के रूप में आशीर्वाद मिला है. सिद्धार्थ के इस पोस्ट पर उनके दोस्त और फिल्मी हस्तियों ने बधाई दी है. सिद्धार्थ और कियारा ने फिल्म शेरशाह में साथ काम किया था.

यामी ने टीवी से की करियर की शुरुआत

जब किसी आउटसाइडर के प्योर टैलेंट और ग्रेस की बात होती है तो यामी गौतम का नाम सबसे पहले सामने आ जाता है. यामी आज बॉलीवुड की पॉपुलर और ऑडियन्स की फेवरेट एक्ट्रेस बन चुकी हैं. लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि उनकी एक्टिंग करियर की जर्नी छोटे पर्दे यानी टेलीविजन से हुई थी.

टीवी शोज के जरिए आज उन्होंने ग्लैमर वर्ल्ड में अपनी एक अलग पहचान बना ली हैं.उरी जैसे फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से सबको चौंकाने वाली एक्ट्रेस यामी गौतम ने साल 2009 में टेलीविजन इंडस्ट्री पर धमाकेदार एंट्री की थी. उन्होंने एनडीटीवी इमेजिन पर टेलीकास्ट होने वाला शो ये प्यार ना होगा कम में लीड रोल प्ले की थीं. इस शो में उनके अपोजिट सीरियल अनुपमा से खूब पॉपुलैरिटी हासिल करने वाले एक्टर गौरव खन्ना थे.

यामी ने जहां शो में वहर माथुर का किरदार निभाया था, वहीं गौरव ने अबीर बाजपेयी का कैरेक्टर प्ले किया. 28 दिसंबर 2009 से प्रीमियर हुआ ये शो 2 सितंबर 2010 तक चला. साल 2012 में यामी ने फिल्म इंडस्ट्री पर अपना पहला कदम रखा. उनकी पहली डेब्यू आयुष्मान खुराना की फिल्म विक्की डोनर के साथ हुई थी. यह फिल्म काफी हिट साबित हुई और ऑडियन्स ने फिल्म के स्टार कास्ट को काफी यादा पसंद किया. इसके बाद उन्होंने कई जबरदस्त फिल्मों में काम किया. बदलापुर, सनम रे, काबिल, उरी, चोर निकल के भागा, दसवीं और ओएमजी 2 जैसी फिल्मों में जबरदस्त कैरेक्टर प्ले कीं. उनकी हाल की फिल्मों की बात करें तो प्रतीक गांधी के साथ फिल्म धूम धाम आई जिसे फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया.